DEPARTMENT OF SANSKRIT

SEMINAR / WORKSHOP ORGANIZED

इंदिरा गाँधी शासकीय कला एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय वैशालीनगर, भिलाई में **7** दिवसीय **"फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम"** के अंतर्गत **"माडल्स ऑफ़ सेल्फ डेवलफमेंट"** पर दिनांक **6 जून 2021** को **मंत्रणाम रोगेषु प्रभावः** विषय पर **वर्चुअल वेबिनार** का आयोजन किया गया | महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती अलका मेश्राम के मार्गनिर्देशन में कार्यक्रम का संचालन **संस्कृत विभागाध्यक्ष श्री महेश कुमार अलेंद्र** ने किया | इस कार्यक्रम में समस्त स्टॉफ, **NCC** के **44 CADATS, NSS** व छात्र-छात्रायें उपस्थित थे |

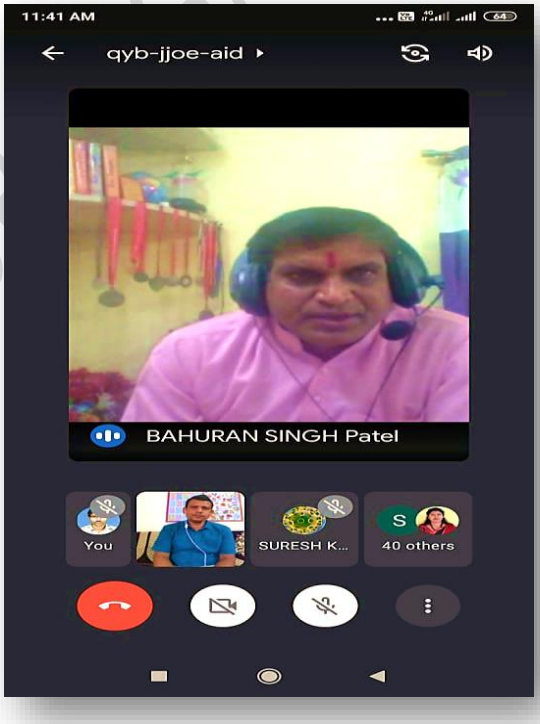

महाविद्यालय की **प्राचार्य डॉ श्रीमती अलका मेश्राम** ने दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम की प्रासंगिकता के साथ विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि मन्त्रों का प्रभाव निःसंदेह मानव जीवन में पड़ता है | ये जीवनदायिनी मंत्र हमारे प्राचीन ग्रंथों में उपलब्ध है | मानसिक एवम शारीरिक रोग की निवारण में इन मंत्रो की सकारात्मक भूमिका है | उन्होंने **गायत्री मन्त्र का भावानुवाद** भी किया | कार्यक्रम के **मुख्य अतिथि डॉ बहुरन सिंह पटेल** सहायक प्राध्यापक, व्याकरण शास्त्र शासकीय दूधा. श्री वे. स्ना.संस्कृत महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) ने कहा – हमारे ऋषि मुनियों के द्वारा सिद्ध मन्त्रों ने भारतीय समाज को सभ्यता की ओर बदने का मार्ग प्रशस्त किया है | वर्तमान समय में भी मन्त्रों की प्रासंगिकता है विशेष रुप से गायत्री मंत्र, शिवसंकल्प मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र, हिरण्यगर्भ आदि मंत्र मानव जीवन के त्रिविध दुखों (आध्यात्मिक –शारीरिक, आधिभौतिक -चोर व्याध्र, आधिदैविक – बिजली वर्षा) के निवारण के साथ ही रोगों के दुष्प्रभाव से मुक्ति का मार्ग है | मन्त्रों के औचित्य पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला |

अंत में हिंदी विभाग की सहायक प्राध्यापक श्रीमती कौशल्या शास्त्री ने मुख्यातिथि एवं समस्त प्राध्यापकों, प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया |

SEMINAR/WORKSHOP ORGANIZED